भारत सरकार
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय
बायोटेक्नोलॉजी विभाग
****
मासिक मंत्रि मंडल सारांश मार्च -2021

I. माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और मुख्य उपलब्धियां:

(i) ग्लोबल बायो-इंडिया 2021

बायोटेक्नोलॉजी विभाग (डीबीटी) ने अपने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी) के साथ 1 मार्च से 3 मार्च 2021 तक एक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ग्लोबल बायो-इंडिया के दूसरे संस्करण - ग्लोबल बायो-इंडिया 2021 का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के लगभग 30 सत्रों में **8400 से अधिक प्रतिनिधियों, 40 से अधिक देशों, 50 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय वक्ताओं, 1000 से अधिक उद्यमियों और स्टार्ट-अप, 140 से अधिक निवेशक-स्टार्ट अप बैठकें, 150 से अधिक प्रदर्शकों, 350 से अधिक जैव सहभागी बैठकों** की भागीदारी शामिल थी। आयोजन के दौरान **राष्ट्रीय जैव प्रौद्योगिकी विकास रणनीति 2021-25** भी जारी की गई।

(ii) कोविड-19 के समाधान के लिए डीबीटी द्वारा किए गए उपाय

क. मिशन कोविड सुरक्षा - भारतीय कोविड-19 वैक्सीन विकास मिशन

डीबीटी के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, बीआईआरएससी, द्वारा कार्यान्वित किए जा रहे "मिशन कोविड सुरक्षा - भारतीय कोविड-19 वैक्सीन विकास मिशन" के तहत कैंडीडेट वैक्सीन विकास के लिए 4 परियोजनाएँ, क्षमता वृद्धि के 3 प्रस्ताव और नैदानिक परीक्षण साइटों को सक्षम बनाने के लिए आगे की प्रक्रिया के लिए 15 परियोजनाओं का चयन किया गया है।

ख. नैदानिक परीक्षण में तेजी लाने के लिए भागीदारी (पीएसीटी) पहल

डीबीटी ने बीआईआरएसी और सीडीएसए के माध्यम से नैदानिक परीक्षण में तेजी लाने के लिए साझेदारी (पीएसीटी) शुरू की है और विदेश मंत्रालय के सहयोग से मित्र देशों में कोविड वैक्सीन के चरण III नैदानिक परीक्षणों की सुविधा के लिए क्षमताओं को सक्षम बनाने के लिए मिलकर काम कर रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम की दूसरी श्रृंखला के तहत, बहरीन, भूटान, म्यांमार, नेपाल, ओमान, यूएसए और वियतनाम के 160 से अधिक उपस्थित लोगों की भागीदारी के साथ मार्च में 'नैदानिक अनुसंधान में नैतिक विचार' पर 3 सत्र आयोजित किए गए हैं।

ग. टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई)

विभाग ने कोविशिल्ड वैक्सीन की खुराक अंतराल और भारतीय डाटा सृजन के पर चर्चा करने के लिए 17 मार्च 2021 को आयोजित एनटीएजीआई की स्थायी तकनीकी उप-समिति (एसटीएससी) की बैठक में भाग लिया।

घ. एसीटी त्वरक (एसीटी-ए) सुविधा परिषद

सचिव डीबीटी ने 23 मार्च, 2021 को आयोजित 5 वीं एसीटी-ए सुविधा परिषद की बैठक में भाग लिया और कोविड-19 नैदानिक परीक्षणों और चिकित्सीय पद्धतियों के संवर्धन और उन तक पहुंच में चुनौतियों; कोवेक्स सुविधा तक कोविड-19 वैक्सीन की आपूर्ति बढ़ाए जाने पर चर्चा की।

ङ. परीक्षण/निदान

देश भर के सरकारी संस्थानों में कोविड-19 नमूनों के परीक्षण के लिए हब और स्पोक मॉडल में शहरी/क्षेत्रीय समूह स्थापित किए गए हैं। आईसीएमआर दिशानिर्देशों के अनुसार ये हब संबंधित मंत्रालयों/विभागों (डीबीटी, डीएसटी, सीएसआईआर, डीएई, डीआरडीओ, आईसीएआर इत्यादि) द्वारा अनुमोदित सरकारी प्रयोगशालाएँ हैं। अब तक 21 शहरी/क्षेत्रीय समूहों की स्थापना की जा चुकी है और 34.35 लाख से अधिक नमूनों का परीक्षण किया गया है। ग्रामीण भारत में परीक्षण पहुंच को अधिक सुगम बनाने के लिए, माननीय मंत्री द्वारा कोविड परीक्षण के लिए 18 जून, 2020 को शुरू किए गए आई-लैब (संक्रमण रोग प्रयोगशाला) मोबाइल लैब ने फरीदाबाद क्षेत्र में लगभग 17142 परीक्षण किए हैं। डीबीटी ने परीक्षण जारी रखने के लिए सभी हबों को जनशक्ति सहायता प्रदान की है।

(iii) जैव सुरक्षा

क. विभाग ने क्रमश: 04 और 18 मार्च, 2021 को आयोजित आनुवंशिक फेरबदल समीक्षा समिति (आरसीजीएम) की 201वीं बैठक में 38 आवेदनों और 202वीं बैठक में 27 आवेदनों की समीक्षा की है। इन आवेदनों में आयात/निर्यात/हस्तांतरण/प्राप्त, सूचना मदें और बायोफार्मा के लिए पूर्व-नैदानिक विषाक्तता अध्ययन, और कृषि के लिए आयात/निर्यात/हस्तांतरण/प्राप्त और घटना चयन परीक्षण शामिल हैं। प्रत्येक आवेदन पर विचार-विमर्श के बाद, आरसीजीएम द्वारा उचित निर्णय लिया गया।

ख. माह के दौरान, आईबीकेपी पोर्टल पर 29 संस्थागत जैव सुरक्षा समितियों का गठन किया गया।

ग. राष्ट्रीय जैव सुरक्षा और जैव सुरक्षा नेटवर्क की स्थापना पर एक विस्तृत दस्तावेज तैयार करने के लिए उप-समूह की पहली बैठक दिनांक 15.03.2021 को आयोजित की गई थी।

घ. 23 मार्च, 2021 को आयोजित पुनर्संयोजी डीएनए सलाहकार समिति की तीसरी बैठक के दौरान, कोशिका और जीन थेरेपी के नियामक परिदृश्य पर चर्चा की गई।

(iv) विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) मामले: प्रतिबंधित वस्तुओं के आयात की अनुमति मांगने वाले 02 आवेदनों पर विभाग की टिप्पणियों को डीजीएफटी को सूचित किया गया था।

(v) किसी विशेष क्षेत्र में आरएफपी आधारित नई परियोजनाओं का वित्तपोषण

क. बायोटेक ऊर्जित (विश्वविद्यालय अनुसंधान संयुक्त उद्योग ट्रांसलेशनल) समूह

विभाग ने देश में जैव प्रौद्योगिकी ऊर्जित (विश्वविद्यालय अनुसंधान संयुक्त उद्योग ट्रांसलेशनल) समूह बनाने के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं। 19 एलओआई में से, आमंत्रण के आधार पर कुल 14 विस्तृत प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। पीआई द्वारा उठाए गए प्रश्नों को संबोधित करने के लिए 1 मार्च 2021 को प्रभाग द्वारा आयोजित आभासी पूर्व-प्रस्ताव चर्चा बैठक में 100 से अधिक अन्वेषकों ने भाग लिया।

(vi) डीबीटी की सामाजिक रूपरेखा

क. डीबीटी ने 24 मार्च, 2020 को आरईपीओआरटी (तपेदिक में क्षेत्रीय प्रत्याशित प्रेक्षण अनुसंधान) द्वारा आयोजित विश्व टीबी दिवस वेबिनार में भाग लिया।

ख. प्रथम हब: स्टार्ट-अप और नवोन्मेषकों के लिए नवाचार और विनियमों की सुविधा

फर्स्ट हब नवोन्मेषकों के प्रश्नों को हल किए जाने के लिए डीबीटी द्वारा बीआईआरएसी में स्थापित की गई एक सुविधा इकाई है। दुनिया भर में मौजूदा स्थिति के संबंध में, नवोन्मेषकों के प्रश्नों को हल करने के लिए एक माह के दौरान हर वैकल्पिक शुक्रवार को **फर्स्ट हब** सत्र आयोजित किए जाते हैं। मार्च माह के लिए, ग्लोबल बायो-इंडिया 2021 के दौरान 2 मार्च को और 19 मार्च 2021 को **फर्स्ट हब** सत्र आयोजित किया गया और 18 से अधिक प्रश्नों को स्पष्ट किया गया। सीडीएससीओ, आईसीएमआर, एनआईबी, जीईएम, केआईएचटी, बीआईएस, डीबीटी और बीआईआरएसी के प्रतिनिधि नियामक पाथवे, वित्तपोषण अवसर, सार्वजनिक खरीद, आईवीडी परीक्षण और वैधता, मानक और विनिर्देश, विनिर्माण और परीक्षण बुनियादी ढांचे के समर्थन पर प्रश्नों के समाधान के लिए उपलब्ध थे।

ग. आईबीएससी सदस्य सचिवों और शोधकर्ताओं के लिए आईबीएससी जागरूकता कार्यक्रम की श्रृंखला में क्रमशः 11 और 25 मार्च 2021 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 13 वां तथा 14 वां वेबीनार आयोजित किया गया था।

(vii) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

क. विभाग ने 12 मार्च, 2021 को आयोजित क्वाड लीडर्स सम्मेलन में भाग लिया, जिसमें इंडो-पेसिफिक देशों के लिए कोविड-19 वैक्सीन के लिए रूपरेखा/प्रक्रिया जैसे कोवेक्स सुविधा और लंबी अवधि के लिए वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा के निर्माण के लिए समन्वय की संभावना के अवसर तलाशे गए।

ख. मिशन नवाचार इंडिया

बायोटेक्नोलॉजी विभाग (डीबीटी) मिशन नवाचार (एमआई) इंडिया यूनिट के माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा राष्ट्रीय प्रयासों का समर्थन और समन्वय करने वाली नोडल एजेंसी है। मिशन नवाचार अंतर-मंत्रालयी समन्वय समिति की बैठक आभासी रूप में 18 मार्च 2021 को आयोजित की गई थी और इसकी अध्यक्षता सचिव, डीबीटी

ने की थी और डीएसटी और संबद्ध मंत्रालयों (एमओपीएनजी, एमएनआरई, एमओसीए, एमओपीएस और डब्ल्यू, एमओपी, बीईई, सीएसआईआर-आईआईपी) के वरिष्ठ अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया था। चरण **2.0** के तहत मिशन नवाचार इंडिया एक्टिविटीज़ फ्रेमवर्क और प्रस्तावित मिशनों पर एक अपडेट प्रदान किया गया।

ग. भारत-यूके ज़ूनोटिक अनुसंधान ट्विनिंग पहल पर समझौते की क्षमता का पता लगाने के लिए 16 मार्च, 2021 को डीईएफआरए, यूके के साथ अगली बैठक आयोजित की गई थी।

घ. "'यूरोपियन ग्रीन डील कॉल ऑफ होरिजन 2020 वर्क प्रोग्राम" के तहत प्राप्त यूरोपियन संघ-भारत संयुक्त अनुसंधान तथा नवाचार प्रस्तावों पर चर्चा करने और उन्हें चयनित करने के लिए विशेषज्ञ समिति की बैठक, 19 मार्च, 2021 को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई थी।

ङ. भारत यूरोपीय संघ जल भागीदारी (आईईडब्ल्यूपी) की संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की दूसरी बैठक 24 मार्च, 2021 को भारत-यूरोपीय संघ जल साझेदारी के चरण 2 के लिए उदार कार्य योजना विकसित करने के लिए आभासी मंच के माध्यम से आयोजित की गई थी।

च. ग्लोबल बायो-इंडिया कार्यक्रम के दौरान वर्चुअल मोड के माध्यम से **2** मार्च, **2021** को 'शुद्ध औषधि एवं डेटा संचालित जीवन विज्ञान' पर भारत-स्वीडन संवाद का आयोजन किया गया।

(viii) प्रकाशन और पेटेंट

विभाग के स्वायत्तशासी संस्थानों द्वारा 77 शोध प्रकाशन और 4 पेटेंट दायर किए गए।

(ix) डीबीटी तथा उसके स्वायत्तशासी संस्थानों द्वारा समर्थित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के माध्यम से प्रौद्योगिकी का विकास/व्यावसायीकरण: 2

क. डीबीटी-एनआईआई ने कोलेजन-आधारित हर्बल सूत्रीकरण का उपयोग करके पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए उपचार की एक विधि विकसित की है। विकसित सूत्रीकरण ने कृन्तकों में कोई विषाक्तता नहीं दिखाई है और मोनो-सोडियम आयोडोएसेटेट (एमआईए) से जुड़ी स्थितियों और पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस पशु मॉडलों में प्रेरित दर्द और सूजन को कम किया है। इस तकनीक (विकसित सूत्रीकरण) को आगे के विकास और व्यावसायीकरण के लिए पुरोबियन लाइफसाइंसेज प्राइवेट लिमिटेड को हस्तांतरित किया जाता है।

ख. एनसीसीएस में तैयार एक स्थिर क्लोन (CHO - HIRc GL mycGLUT4eGFP) के लिए एक लाइसेंस समझौते पर एप्लाइड बायोलॉजिकल मैटेरियल्स, इंक कनाडा के साथ 22 मार्च 2021 को हस्ताक्षर किए गए।

II. महत्वपूर्ण मामलों/मुद्दों पर अनुपालन रिपोर्ट

(i) **दीर्घकालीन अंतर-मंत्रालयी परामर्श के कारण महत्वपूर्ण नीतिगत मामले: लागू नहीं**

(ii) **मंत्रिमंडल/मंत्रिमंडलीय समिति के निर्णयों का अनुपालन: लागू नहीं**

अनुपालन के लिए लंबित सीओएस निर्णयों की संख्या	सीओएस निर्णयों के अनुपालन के लिए प्रस्तावित कार्य योजना/समय-सीमा	टिप्पणियां
-	-	-

(iii) **तीन महीने से अधिक समय से लंबित 'अभियोजन के लिए स्वीकृति' के मामलों की संख्या: शून्य**

(iv) **ऐसे मामलों का विवरण जिसमें कार्य के आदान-प्रदान में परिवर्तन हुआ है: शून्य**

(v) **ई-गवर्नेंस के कार्यान्वयन की स्थिति:**

सक्रिय फ़ाइलों की कुल संख्या: 13021	मार्च, 2021 के दौरान बनाई गई ई-फाइलों की कुल संख्या- 445

(vi) **लोक शिकायतों की स्थिति:**

माह के दौरान निवारण की गई लोक शिकायतों की संख्या: 21	माह के अंत में लंबित लोक शिकायतों की संख्या: 14

(vii) **संचालन और विकास में तकनीक आधारित उपकरणों और अनुप्रयोगों के उपयोग के लिए मंत्रालय/विभाग द्वारा उठाए गए कदम: शून्य**

(viii) **क. इस बात की पुष्टि करें कि मंत्रालय/विभाग और उसके संगठनों के ए.सी.सी. के दायरे में आने वाले सभी पदों के कार्यकाल का विवरण एवीएमएस पर अद्यतन कर दिया गया है:** यह पुष्टि की जाती है कि मंत्रालय/विभाग (डीबीटी के अंतर्गत आने वाले सभी स्वायत्तशासी संस्थानों और उपक्रमों दोनों) में ए.सी.सी. के दायरे में आने वाले सभी पदों का विवरण एवीएमएस पर अद्यतन कर दिया गया है।

ख. एसीसी के निर्देशों के अनुपालन के बारे में स्थिति: उन मामलों के संबंध में एक पैरा जिनमें अलग-अलग शीर्षकों में ए.सी.सी. निर्देशों का अनुपालन नहीं किया गया हैं: यह पुष्टि की जाती है कि ए.सी.सी. के निर्देशों का अनुपालन किया गया है।

ग. उन मामलों की स्थिति, जहां पीईएसबी से सिफारिशें प्राप्त हुई हैं, लेकिन प्रस्ताव अभी एसीसी सचिवालय को प्रस्तुत किए जाने हैं: सूचित किया जाता है कि इसे 'शून्य' समझा जाए।

(ix) **सरकारी ई-बाज़ार (जीईएम) की स्थिति:**

मार्च, 2021 के माह के लिए जीईएम के माध्यम से विभाग द्वारा 32,72,991/- रु. खरीद की गई है।